OM 17 EDITED_Page 1 and 2 11-11-2014 15:47 Page 1

''नारी शक्ति ही समाज परिवर्तन का अग्रदूत बने''– कृष्णा प्रसाद

परमात्म शक्ति द्वारा महापरिवर्तन के विषय पर विशाल कार्यक्रम

कृष्णा प्रशाद अपने विचार व्यक्त करते हुए। मंच पर ब्र.कु.शिवानी, ब्र.कु.चक्रधारी, ब्र.कु.ब्रजमोहन।

नई दिल्ली। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा ''नारी के सम्मान और प्रतिष्ठा की पुन: स्थापना'' के ऊपर त्यागराज स्टेडियम सार्वजनिक कार्यक्रम हुआ। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा चलाये जा रहे ''परमात्म शक्ति द्वारा महापरिवर्तन का समय अब'' अर्न्तराष्ट्रीय परियोजना के अन्तर्गत आयोजित इस सार्वजनिक कार्यक्रम को कई गणमान्य व्यक्तियों ने सम्बोधित किया।

भारत में स्थित नेपाल के राजदूत कृष्णा प्रसाद ढ़काल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि नारी के सम्मान एवं प्रतिष्ठा को पुन: स्थापित करने के लिए समाज में प्रचलित रूढ़िवाद, नकारात्मक मान्यताओं एवं दूषित मानसिकताओं को बदलना होगा जिसके लिए महिलाओं को आगे आना होगा। क्योंकि समाज परिवर्तन का केन्द्र बिन्दु नारी ही है।

कार्यक्रम की अध्यक्ष एवं मुख्य संयोजक ब्र.कु. गीता ने अपने आशीर्वचन में कहा कि समाज में फैले हुए व्यभिचार, भ्रष्टाचार एवं बुराइयों का मूल कारण है हमारी भोग वासना, भौतिकता एवं कर्मेन्द्रियों की अधीनता। उन्होंने कहा कि इस अधीनता से मुक्त हो स्वयं और समाज में नैतिकता, सकारात्मकता एवं सुख-शांति लाने के लिए हमें आध्यात्मिक ज्ञान एवं राजयोग का नियमित अभ्यास करना होगा।

इस कार्यक्रम के प्रायोजक संस्था इंजीनियर्स इण्डिया लि. के अध्यक्ष श्री ए.के. पुरूवाह ने अपनी शुभकामनायें व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों में खासकर महिलाओं में आन्तरिक शक्ति एवं क्षमताओं को बढ़ाने से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में ब्रह्माकुमारी संस्था निरन्तर कार्यरत है। इस कार्यक्रम के सह प्रायोजक गैस अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लि. के मानव संसाधन निदेशक श्री आर.रविन्द्रन ने भी इस अवसर पर कहा कि लोगों के व्यक्तिगत, व्यावसायिक एवं सामाजिक जीवन को उत्कृष्ट बनाने के लिए आध्यात्मिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण ज़रूरी है। नारी सम्मान की पुन: स्थापना के

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए ग्रेसी सिंह व उनके ग्रुप के कलाकार।

ऊपर एक पैनल डिस्कशन भी रखा गया जिसमें पंजाब विश्वविद्यालय के महिला विकास केन्द्र की मुखिया पाम राजपूत बहन, दिल्ली एवं चण्डीगढ़ के मुख्य चुनाव आयुक्त राकेश मेहता, प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. अवधेष, ब्रह्माकुमारी संस्था की निदेशिका ब्र.कु. आशा आदि ने अपने विचार रखे।

इसके अतिरिक्त ब्रह्माकुमारी संस्था के मुख्य प्रवक्ता राजयोगी ब्रह्माकुमार बृजमोहन ने ''परमात्म शक्ति द्वारा महापरिवर्तन का समय अब'' परियोजना के ऊपर प्रकाश डाला तथा प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता ब्र.कु. शिवानी ने पारिवारिक मूल्यों के ऊपर प्रेरणादायी प्रवचन दिये। ब्रह्माकुमारी संस्था की रशिया के सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु. चक्रधारी ने सभा में उपस्थित लोगों को सामूहिक राजयोग के अभ्यास के द्वारा मन की सच्ची शान्ति की अनुभूती करायी।

कार्यक्रम के अन्त में प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री ग्रेसी सिंह और उनके ग्रुप ने शिव शक्ति विषय पर एक चित्त आकर्षक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की तथा कार्यक्रम के आरम्भ में स्कूल के बच्चों ने स्वागत नृत्य द्वारा उपस्थित जन समूह को आत्म विभोर किया।

सफल जीवन की मार्गदर्शक है आध्यात्मिकता - ब्र.कु.मनोरमा

सिरसा। कार्यक्रम के पश्चात् मक्खन लाल सिंगला को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मनोरमा। साथ हैं ब्र.कु. बिन्दू तथा अन्य।

सिरसा (शांति सरोवर)। भौतिक साधनों की प्राप्ति के बाद भी मानव मन असंतुष्टता का अनुभव करता है क्योंकि मन की यथार्थ इच्छा तो सच्ची शांति व आनंद की प्राप्ति ही है। जीवन में बाकी कार्य करने के साथ ही आत्मोन्नति के लिए भी अवश्य समय निकालना चाहिए। उक्त विचार सिरसा के जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुलदीप जैन ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'शांत मन - आनंदमय जीवन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आधुनिकता की चकाचौंध व भागदौड़ से भरे जीवन में आध्यात्मिकता ही हमारा सही मागदर्शक है, जिससे हमें सफल जीवन का अनुभव हो सकता है। इस अवसर पर अति.जिला एवं सत्र न्यायाधीश आर.पी.गोयल, सी.जे.एम. बलवंत सिंह भी उपस्थित थे। चार दिन तक चले कार्यक्रम में विधायक मक्खन लाल सिंगला, एस.डी.एम. परमजीत चहल, पद्म जैन, भूपेश मेहता ने भी विशेष रूप से शिरकत की।

शिविर की मुख्य वक्ता ब्र.कु.मनोरमा ने कहा कि इंसान से अधिक सुंदर कोई चीज़ भगवान के बगीचे में नहीं है, फिर भी व्यक्ति अप्राप्ति और लोभ के भाव में जी रहा है जिसका मूल कारण है कि वह दो मिनट भी स्वयं से नहीं मिलता, उसका सारा समय दुनिया के लोगों से मिलने व उनका हाल जानने में ही व्यतीत हो रहा है। जब हम एकांत में बैठकर अपने भीतर झांकते हैं तो हमारा अन्तर्मन हमसे हो रही गल्तियों के बारे में सवाल पूछता है, जिससे हमें घबराहट व अशांति की महसूसता होती है। मन की शांति व आनंद की अनुभूति करने के लिए अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनें और आध्यात्मिकता के माध्यम से आत्मा के मूल गुणों का विकास करें। उन्होंने 'एकाग्रता की शक्ति अपने पहुंच के अंदर' विषय पर समझाते हुए कहा कि अपनी एकाग्रता को मजबूत करने के लिए हमें अर्जुन और लक्ष्मण बनना पड़ेगा तब ही अपने लक्ष्य रूपी मणि को हासिल किया जा सकता है।

ब्र.कु.बिन्दु ने कहा कि पद, पैसा और ख्याति प्राप्त करके भी मनुष्य स्वयं को अंदर से खाली अनुभव कर रहा है। अशांत मन ही उसे भरपूरता का अनुभव नहीं करने दे रहा। आत्म-मंथन व आत्म-निरीक्षण के द्वारा ही हम स्वयं को सशक्त बनाकर परिस्थितियों से मन को अप्रभावित रख सकते हैं।

'श्रेष्ठ समाज के निर्माण में धर्म के रहनुमाओं की भूमिका' विषय पर भी संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें शहर के सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अलावा वाह ज़िन्दगी वाह, हर पल खुशी का राज, जीवन जीने का सही अंदाज, सकारात्मक-सशक्त एवं समर्थ विचारधारा और सम्बन्धों में मधुरता आदि विषयों पर प्रकाश डाला गया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । **विदेश** - 2500 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 16th Nov 2014
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।